अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2015) | दिनांक 18.12.2015

छठा वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

गतागत – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें – कितनी व कहाँ–कहाँ से है? 24

(क) पांचवीं नरक में आगति व गति
(ख) दूसरे देवलोक में आगति
(ग) असंज्ञी मनुष्य में गति
(घ) दूसरे, तीसरे किल्विषिक तथा तीसरे से आठवें देवलोक में आगति व गति
(ङ) सम्यग् दृष्टि में आगति व गति
(च) पुरुष वेद में आगति व गति
(छ) अवधिदर्शन में आगति व गति
(ज) औदारिक शरीर में आगति व गति
(झ) मूल वैक्रिय शरीर में आगति व गति
(ञ) उर्ध्वलोक व अधोलोक में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 16

(क) तेजो लेश्या वाले तेजोलेश्या में जाएँ तो आगति व गति कितनी व कहाँ–कहाँ से?
(ख) पृथ्वी, पानी व वनस्पति में आगति व गति, कितनी कहाँ–कहाँ से?
(ग) पंडित वीर्य व बाल पंडित वीर्य में गति व आगति कितनी व कहाँ–कहाँ से?
(घ) जम्बू द्वीप व लवण समुद्र में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?
(ङ) तिर्यंच में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?
(च) देवता, कालोदधि व अर्द्धपुष्कर में जीव के कितने व कौन–कौन से भेद पाते हैं?

कायस्थिति – 40

प्र.3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें – जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें। 30

(क) तिर्यंचणी (ख) सूक्ष्म पृथ्वी, अप्, तेजस, वायु (ग) स्त्रीवेदी (घ) बादर त्रस
(ङ) तेजोलेश्यी (च) पुरुष वेदी (छ) उपशम सम्यक्त्वी (ज) अपर्याप्त
(झ) छद्मस्थ अनाहरक (ञ) भाषक (ट) सम्यक् मिथ्यात्वी (ठ) समुच्चय निगोद

प्र.4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 10

(क) एकेन्द्रिय पर्याप्त की कायस्थिति कितनी है?
(ख) अनंतकाल की कायस्थिति किस अपेक्षा से है?
(ग) सवेदी की कायस्थिति सादि सान्त किस अपेक्षा से है?
(घ) नपुंसक वेद की जघन्य कायस्थिति एक समय किस अपेक्षा से है?
(ङ) कायपरीत की जघन्य कायस्थिति अन्तर्मुहुर्त्त किस अपेक्षा से है?
(च) केवली का उपयोग कितने समय का होता है?
(छ) बादर क्षेत्र पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?
(ज) द्वीन्द्रिय, त्रीन्द्रिय और चतुरिन्द्रिय की उत्कृष्ट भवस्थिति कितनी है?
(झ) तेजस्काय पर्याप्त की कायस्थिति कितनी है?
(ञ) सयतासंयति की जघन्य कायस्थिति किस अपेक्षा से की गई है?
(ट) सयोगी केवली की जघन्य कायस्थिति तीन समय किस अपेक्षा से है?

(ठ) प्रथम देवलोक की परिगृहीत व अपरिगृहीत देवियों की स्थिति कितनी है?

गीतिका (पांचोंवर्ष की) – 20

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों के अर्थ सहित उत्तर लिखें – 12

(क) ''पाखंडिया संगत.....जिम जाण''। (ख) ''साठ सहस्त्र सुत.....ऐसा रे''।

(ग) ''सचित्तादिक द्रव्य.....दान ए''। (घ) ''पिण बाकी रह्यो.....बात में ए''।

(ङ) ''देश मोह नो .....मांही रे''।

प्र.6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) सम्यक्त्व की प्राप्ति कैसे होती है?

(ख) सुभूम चक्रवर्ती विनाश को क्यों प्राप्त हुआ?

(ग) कामदेव श्रावक मृत्यु को प्राप्त कर कहाँ उत्पन्न हुआ?

(घ) छह निर्ग्रंथों में कौन–कौन से निर्ग्रंथ किस–किस गुणस्थान तक होते हैं?

(ङ) क्या–क्या करने से आठवां धर्मदान होता है?

(च) श्रावक को शुद्ध भोजन कराना क्या है? इसका उल्लेख किस सूत्र में किया गया है?